an>

Title: Need to set up a university for Jalore and Sirohi districts of Rajasthan.

श्री देवजी एम. पटेल (जालौर): जालौर सिरोही जिला साक्षरता एवं उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अत्यंत पिछड़ा हुआ है। ऐसे में विद्यार्थियों को दूसरे जिले में स्थित विश्वविद्यालय में शिक्षा ग्रहण के लिए जाना पड़ता है, इससे जहां छात्रों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है, वहीं समय पर परिणाम घोषित नहीं होने का दंश भी झेलना पड़ता है। दोनों जिलों में विश्वविद्यालय नहीं होने से छात्राएं उच्च शिक्षा नहीं ले पाती हैं। इन सभी समस्याओं से निजात पाने के लिए कॉलेज विद्यार्थियों के साथ-साथ अभिभावकों, शिक्षाविदों व अन्य लोगों द्वारा जालौर सिरोही जिले में ही विश्वविद्यालय खोलने की मांग की जा रही है। इनका कहना है कि यहां विश्वविद्यालय की स्थापना होने से यहां के छात्रों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने का सपना साकार हो सकेगा।

जालौर जिला साक्षरता एवं शिक्षा के क्षेत्र में पिछड़ा हुआ है तथा जिले की साक्षरता दर 2011 की जनगणना के अनुसार 55.88 प्रतिशत है, जिसमें पुरूष 71.11 प्रतिशत हैं तथा महिलाओं की साक्षरता बहुत ही कम है, मात्र 38.73 है। यह जिला बी0आर0जी0एफ0 योजना के अंतर्गत चिन्हित है। जिले का भौगोलिक विस्तार भी बड़ा है।

जालौर और सिरोही दोनों जिलों में इस क्षेत्र के सबसे बड़े राजकीय महाविद्यालय हैं, जहां छात्रों की संख्या करीब पांच हजार से ज्यादा है। दोनों जिले में हर साल करीब 40 हजार विद्यार्थी अध्ययन करते हैं। जालौर के अधिकतर विद्यार्थी जयनारायण वि0वि0 जोधपुर में शिक्षा ग्रहण करते हैं, जो जिले से काफी दूर पड़ता है। यही हाल सिरोही का भी है। यहां के विद्यार्थियों को निजी विद्यालयों में शरण लेनी पड़ती है तथा अनेक गरीब विद्यार्थी उच्च शिक्षा से वंचित रह जाते हैं।